

पटना पहुँचा जर्मनी से मंगाया गया थ्री-डी डोम स्क्रीन

चर्चा में क्यों?

11 जनवरी, 2023 को जर्मनी से मंगाया गया नया थ्री-डी डोम स्क्रीन तारामंडल पटना पहुँच गया। इसके लगने से जल्द ही पटना के लोगों को तारामंडल में थ्री-डी स्क्रीन पर तारों की दुनिया को देखने और समझने का अवसर मिलेगा।

प्रमुख बंदि

- पटना के तारामंडल के आधुनिकीकरण की ज़िम्मेदारी जर्मन कंपनी कालजाइज को दिया गया है। अगले सप्ताह से कालजाइज व एनसीएसएम की टीम थ्री-डी डोम स्क्रीन के अलग-अलग पैनल को इंस्टॉल करेगी। इससे तारामंडल का प्रोजेक्शन सिस्टम पूरुण रूप से डिजिटलाइज हो जाएगा।
- लगभग 34 करोड़ रुपए से आधुनिकीकरण होने से यहाँ सौरमंडल पर बनी वर्ल्ड क्लास फलिमें देख सेंकेगे। इसके साथ ही लेजर प्रोजेक्टर आरजीबी करिणों को कंप्यूटर के माध्यम से मशिरति कर थ्री-डी शो के लयि वास्तवकि रंगों का नरिमाण करेगा।
- दर्शकों की सुवधि के लयि सीटिंग एरेंजमेंट में भी बदलाव कयिा जाएगा, जो पहले के मुकाबले और भी आरामदायक होगा।
- तारामंडल के प्रोजेक्ट एंड प्रोग्रामिंग डायरेक्टर अनंत कुमार ने बताया कि अगले सप्ताह से थ्री-डी स्क्रीन को इंस्टॉल करना शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद साइड वॉल और सीटिंग एरेंजमेंट की व्यवस्था की जाएगी। अप्रैल 2023 के पहले सप्ताह तक दर्शक यहाँ नये अंदाज में तारों की दुनिया से रूबरू हो सकेंगे।
- तारामंडल के आधुनिकीकरण के साथ ही यहाँ आने वाले वजिटिर्स के लयि अलग से स्पेस एंड एस्ट्रोनामी गैलरी तैयार की जाएगी। तारामंडल भवन के पहले तल्ले पर करीब 600 वर्गफुट में दो करोड़ रुपए से इस नयी गैलरी का नरिमाण कयिा जाएगा। इस गैलरी में लोगों को अंतरकिष, गैलेक्सी, तारा और सौरमंडल के बारे में मल्टीमीडिया पैनल और इंटरैक्टिवि प्रदर्शों के माध्यम से वसितुत जानकारी दी जाएगी।
- स्पेस एंड एस्ट्रोनामी गैलरी का डिजाइन राष्ट्रीय वजिज्ञान संगरहालय परषिद की टीम द्वारा कयिा गया है। गैलेरी के नरिमाण में नवीनतम तकनीक का इस्तेमाल करते हुए एलइडी स्क्रीन, लेजर बेसड प्रोजेक्टर व अपडेटेड डसिपले टेकनकि का इस्तेमाल कयिा जाएगा।